सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 352 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 30 जनवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

यदि आपके अंदर किसी चीज का जुनून है और आप कड़ी मेहनत करते हैं, तो मुझे लगता है आप सफल होंगे..!
- पियरे ओमिड्यार

राष्ट्रीय खेलों में कर्नाटक का रहा... 7 | बिहार में अभी से सजने लगा सियासी... 3 | महाकुंभ में हेलीकॉप्टर का सदुपयोग... 2

4PM के स्टिंग ऑपरेशन से देश भर में मचा हड़कंप

सरकार ने 30 मौतें बतायीं 4PM ने 58 का कर दिया स्टिंग

» विपक्ष का आरोप- झूठ बोल रही सरकार

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। पत्रकारिता के इतिहास में पहली बार एक ऐसा स्टिंग जिससे पूरे देश में हड़कंप मच गया है। 4पीएम के महाकुंभ हादसे में मृतक संख्या को लेकर किये गये स्टिंग आपरेशन ने लोगों की आखों को खोल दिया। जनता को पता चल चुका है कि प्रशासनिक आंकड़े झूठे हैं और सच कुछ और है। एक बार फिर देश के नम्बर वन चैनल 4पीएम ने अपनी जिम्मेदारी को ऐसे समय निभाया है जब पत्रकारिता का मक्खन काल चल रहा हो।

चैनल हो या अखबार सभी संस्थान सिर्फ सरकार के गुणगान कर रहे थे। 4पीएम के अनुभवी और तेजतर्रार पत्रकार क्षितिजकांत ने ऐसा कारनामा कर दिया जिसको लेकर सब उनको शाबाशी दे रहे हैं। क्षितिज अपने हिडेन कैमरे के साथ मृतक परिवार का रिश्तेदार बन कर उस जगह पहुंच गये जहा हादसे के बाद लाशों को रखा गया था। 4पीएम के कैमरे ने देखा कि किसी लाश पर एक नम्बर लिखा है तो किसी लाश पर 58 तो किसी पर 47 क्या जब मौते 30 लोगों की हुई हो तो फिर लाश पर 58 नम्बर क्यों लिखा गया?

4 पीएम के हिडेन कैमरे में शव की संख्या कैद हो गई। इसमे साफ-साफ देखा जा सकता हैं पोस्टमार्टम के बाद जो शव बैग्स में पैक किए गए उस पर 58 की संख्या अंकित है।

फोटो: सुमित कुमार

विपक्ष पहले से चेता रहा था

महाकुंभ की अव्यवस्थाओं के बारे में विपक्ष लगातार चिल्ला रहा था। यह बताने की कोशिश की जा रही थी कि कहा पर क्या गलतियां हो रही है। लेकिन मेलाधिकारी ने किसी की नहीं सुनी और वह हो गया जो नहीं होना चाहिए था। सरकार किसी भी कीमत पर महाकुंभ को एक ग्रेट कुंभ के तौर पर आयोजित करना चाहती थी। हो भी वैसा ही रहा था। देश विदेश में कुंभ का प्रचार प्रसार जबर्दस्त था। सभी लोग कुंभ-कुंभ ही कर रहे थे। लेकिन एक व्यक्ति की अदूर्दशिता के चलते पूरा आयोजन पर दाग लग गये।

करोड़ों लोग जानना चाहते हैं सच

सवाल बेहद संगीन है और सरकार को इस सवाल का जवाब देना होगा। करोड़ों लोग जानना चाहते है कि क्या सरकार झूठ बोल रही है। सभी को पता है कि इस तरह के हादसों में मौत का आंकड़ा कम करके बताया जाता है। सच यह है कि आज भी मेला परिसर में न जाने कितने लोग भगदड़ के बाद अपने लोगों को खोजते नजर आ रहे हैं। हर कोई यह जानना चाहता है कि उसके साथ आये व्यक्ति का क्या हुआ? बाहरहाल न्यायिक जांच के बाद सच जरूर सामने आयेगा।

अमिताभ ठाकुर ने की जांच की मांग

आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने कुंभ भगदड़ में मौत के संबंध में एक यूट्यूब चैनल द्वारा किए गए दावों की जांच की मांग की है। यूपी के मुख्यमंत्री को अपने पत्र में उन्होंने कहा है कि यूट्यूब चैनल 4 पीएम द्वारा एक लाइव रिपोर्टिंग प्रसारित की गई है जिसमें उनके रिपोर्टर प्रयागराज के मोर्चरी में मौजूद है। वहां वे शवों पर अंकित नंबर को प्रस्तुत कर रहे हैं, जिसके आधार पर चैनल ने मृतकों की संख्या कम से कम 58 होने का दावा किया है। अमिताभ ठाकुर ने कहा है कि मौके पर मौजूद रिपोर्टर के आधार पर प्रस्तुत लाइव रिपोर्टिंग को नजरअंदाज किया जाना उचित नहीं होगा। अत: उन्होंने एक उच्चस्तरीय जांच समिति से मृतकों की संख्या की जांच कराने और मृतकों की संख्या को जानबूझकर कम दिखाई जाने की बात प्रमाणित होने पर संबंधित अफसरों को निलंबित कर बर्खास्त किए जाने और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की है।

योगी सरकार के झूठ का पर्दाफाश : सुरजेवाला

कांग्रेसी नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने 4पीएम के स्टिंग आपरेशन को टिवट करते हुए लिखा है कि योगी सरकार के झूठ का पर्दाफाश हो गया है। सरकार ने कहा है कि 30 मौते हुई हैं जबकि महाकुंभ में हुई मृतकों के एक मृत शरीर पर नम्बर 58 लिखा मिला।

हर आम-खास व्यक्ति बेचैन है

हादसे के बाद 4पीएम के खुलासे से सवाल उठना लाजमी है। राजनीतिक दल 4पीएम की खबर पर ट्विट कर रहे हैं और बायान जारी कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी के अधिकारिक हैंडल से भी सरकार से मृतक संख्या को लेकर सवाल पूछे गये हैं।

भक्तगण कह रहे हैं कि कोई मरा नहीं : मार्कण्डेय काट्जू

सुप्रीम कोर्ट के जज रहे मार्कण्डेय काट्जू ने कहा है कि भक्तगण कह रहे हैं कि कोई मरा नहीं है बल्कि मोक्ष प्राप्त हुआ है तो फिर किसी वीआईपी को मोक्ष क्यों नहीं प्राप्त हुआ।

क्या खबरें दबा देने से मृतक फिर से जीवित हो जाएंगे : पवन खेड़ा

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सवाल पूछते हुए एक्स पर लिखा है कि क्या हो रहा है मोदी योगी के शासनकाल में। जो कि बढ़-चढ़ कर कुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का बखान कर रहे थे वो मृतकों और घायलों की संख्या बताने वाले क्यों पीछे हट रहे हैं। क्या खबरे दबा देने से मृतक फिर से जीवित हो जाएंगे।

महाकुंभ में हेलीकॉप्टर का सदुपयोग करते हुए निगरानी बढ़ाई जाए : अखिलेश यादव

» सपा नेता ने भगदड़ में मरे श्रद्धालुओं को अर्पित की श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ से हुई मौतों पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। महाकुंभ में हेलीकॉप्टर का सदुपयोग करते हुए निगरानी बढ़ाई जाए।

अखिलेश यादव ने कहा कि श्रद्धालुओं से भी हमारी अपील है कि वे इस कठिन समय में संयम और धैर्य से काम लें और शांतिपूर्वक अपनी तीर्थयात्रा संपन्न करें। प्रयागराज की ओर जाने वाले मार्गों को बंद करने से करोड़ों लोग सड़कों पर फंस गए हैं। सरकार को इसे शासन-प्रशासन की लापरवाही से जन्मी आपदा मानकर तुरंत सक्रिय हो जाना चाहिए। सूर्यास्त से पहले ही श्रद्धालुओं तक भोजन-पानी की राहत पहुंचानी चाहिए और उनमें ये भरोसा जगाना चाहिए कि सबको सकुशल अपने गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था प्रदेश और केंद्र सरकार करेगी। मृतकों के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए समस्त समारोह, उत्सवधर्मिता व स्वागत कार्यक्रम रद्द कर देने चाहिए।

मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा करवा सकती है गड़बड़ी : सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तारीखें जैसे-जैसे नज़दीक आ रही है प्रदेश की सियासत गर्माती जा रही है। समाजवादी पार्टी ने एक मिल्कीपुर उपचुनाव में गड़बड़ी की आशंका जताई हैं। सपा ने मुख्य चुनाव अधिकारी नवदीप रिणवा को इस संबंध में पत्र लिखा है।

इस पत्र में बीजेपी के पूर्व जिलाधिकारी को चुनाव में पीठासीन अधिकारी बनाए जाने का आरोप लगाया है। समाजवादी पार्टी ने रिटर्निंग अधिकारी को हटाने की मांग करते हुए थानाध्यक्ष समेत कई लोगों पर सपा मतदाताओं को डराने-धमकाने की शिकायत की और कहा कि थानाध्यक्ष देवेंद्र पांडेय, अमरजीत सिंह और संदीप सिंह द्वारा समाजावदी पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और वोटरों को प्रभावित करने और उत्पीड़न किया जा रहा है। इसलिए इन तीनों अधिकारियों पर दंडात्मकर कार्रवाई की जाए और रिटर्निंग अफसर को हटाया जाए।

सपा ने चिट्ठी में पिछले विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए मांग की पुलिसकर्मियों के द्वारा मतदाताओं की आईडी चेक न हो।

अखिलेश यादव को 'आप' का समर्थन नहीं करना चाहिए : बृजभूषण

दिल्ली चुनाव को लेकर बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा है। बृजभूषण शरण सिंह ने तंज कसते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल एक धूर्त आदमी हैं। उन्होंने कहा कि मेरी राय में, अखिलेश यादव को उनका समर्थन नहीं करना चाहिए था।

उन्होंने दावा किया कि इस बार बीजेपी बहुत अच्छी तरह से लड़ रही है। दिल्ली के मूल नागरिक अरविंद केजरीवाल के झूठ से तंग आ चुके हैं, अब क्योंकि वह कहते हैं कि हरियाणा सरकार ने यमुना में खतरनाक सामग्री छोड़ी है, यह महज एक दोष है जैसा कि उन्होंने पिछले 10 वर्षों में किया था।

केजरीवाल ने दस साल में बता दिया कैसे चलाते हैं सरकार : आदित्य ठाकरे

» कहा- दिल्ली में फिर बनेगी आप की सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। दिल्ली में जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे सियासी हलचल तेज होती जा रही है। चुनावी बिगुल बजते ही समाजवादी पार्टी (सपा) और तृणमूल कांग्रेस ने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) को अपना समर्थन देने की बात कही। इस बीच अब शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने अरविंद केजरीवाल और आप सरकार को लेकर बड़ा बयान दिया है।

आदित्य ठाकरे ने कहा, कई आरोप लगाने की कोशिश हुई है, लेकिन पिछले 10 साल में अरविंद केजरीवाल ने दिखाया कि सरकार कैसे चलाते हैं, केजरीवाल ने पानी, बिजली, स्कूल, अस्पताल के क्षेत्र में अच्छा काम किया है. दिल्ली अहम राज्य है, जिसने काम किया है उसे ही जनता जिताएगी। ऐसी हमारी उम्मीद है, ऐसा मेरा विश्वास है।

वहीं परीक्षा केंद्र में बुर्का पर पाबंदी लगाने की मंत्री नितेश राणे की मांग पर आदित्य ठाकरे ने निशाना साधा. उन्होंने कहा, इस देश के हर विद्यार्थी को परीक्षा देने का अधिकार है। जिसने (नितेश राणे) ये बयान दिया है, उस गंदगी के मैं मुंह नहीं लगता, जबकि सिद्धीविनायक ड्रेस कोड विवाद पर उन्होंने कहा कि पहले मंदिर प्रशासन बताएं क्या ड्रेस होगा?

जम्मू-कश्मीर के लोग पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग करते रहेंगे : अब्दुल्ला

» बोले- अनुच्छेद 370 सभी समुदायों की हिफाजत के लिए था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग करते रहेंगे। हजरतबल इलाके में नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर और उसके लोगों की पहचान की हिफाजत करना था। अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधानों को केंद्र ने 2019 में समाप्त कर दिया था।

अब्दुल्ला ने कहा कि हम इसका (राज्य का दर्जा बहाल करने का) इंतजार कर रहे हैं। जो लोग ऐसा करने में देरी कर रहे हैं, उनसे पूछिए। हम पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग करते रहेंगे और अल्लाह से हमारी हिफाजत की प्रार्थना करेंगे। अब्दुल्ला ने पिछले बयान में कहा था कि अनुच्छेद 370 डोगरा समुदाय की हिफाजत के लिए था। इस बयान के बारे में पूछे जाने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 का संवैधानिक प्रावधान जम्मू-कश्मीर में सभी की हिफाजत के लिए था। यह जम्मू-कश्मीर की हिफाजत के लिए था, यह वहां के लोगों की पहचान के बारे में था। चाहे वो डोगरा हों, लद्दाखी हों या जम्मू-कश्मीर के लोग, यह सभी के लिए था न कि केवल किसी एक के लिए। मुख्यमंत्री ने कहा, ''जब कश्मीर के महाराजा ने कानून बनाया तो वह हमारे रोजगार की हिफाजत करना चाहते थे क्योंकि ऐसी आशंका थी कि बाहर से आए लोग रोजगार छीन लेंगे। यह तब (अनुच्छेद) 35 (ए) के अंतर्गत आता था। (अनुच्छेद) 370 1949 में आया। वक्फ विधेयक में प्रस्तावित संशोधनों पर जारी बहस के बीच अब्दुल्ला ने कहा कि अल्लाह वक्फ की हिफाजत करेगा।

राष्ट्र ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

» पीएम मोदी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व सपा प्रमुख ने पुष्प किये अर्पित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत सभी पार्टियों के दिग्गज नेताओं ने को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि पूज्य बापू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि। उनके आदर्श हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। मैं हमारे राष्ट्र के लिए शहीद हुए सभी लोगों को भी श्रद्धांजलि देता हूं और उनकी सेवा एवं बलिदान को याद करता हूं। राष्ट्रपिता गांधी की 1948 में आज ही के दिन नाथूराम गोडसे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

आरक्षण के मामले में गुमराह कर रहे पूर्व सीएम : विश्वास सारंग

» कमलनाथ के ट्वीट पर मप्र सरकार के मंत्री का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मोहन सरकार के मंत्री विश्वास सारंग ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के आरक्षण को लेकर दिए बयान पर पलटवार किया। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि मोहन यादव सरकार ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण के मामले में कोर्ट में दृढ़ता से अपना पक्ष रख रही है।

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के 27प्रतिशत आरक्षण के ट्वीट पर पलटवार करते हुए कहा है कि कमलनाथ केवल जनता और पिछड़े वर्ग को गुमराह कर रहे हैं, उनकी सरकार में वर्ष 2019 में जो कानून बनाया गया, वो इतना लचीला और आधारहीन था कि उस पर स्थगन मिल गया। इसके बाद कमलनाथ की सरकार न्यायालय में ठीक तरीके से अपना समक्ष नहीं रख पाई। उन्होंने कहा कि कमलनाथ सरकार अपना पक्ष हाईकोर्ट के समक्ष रखती तो इस विषय पर स्टे नहीं आता, क्योंकि कमलनाथ केवल राजनीति और दिखावा कर के आरक्षण की बात कर रहे थे, सही मायने में वे यह चाहते ही नहीं थे कि पिछड़े वर्ग को आरक्षण मिले। मंत्री ने कहा कि हाईकोर्ट के जिस स्टे के खारिज होने के बाद कमलनाथ ने ट्वीट किया है, वह केवल एक परिपत्र जारी होने के खिलाफ उसके खारिज होने का था।

समान नागरिक संहिता पूरे भारत में नहीं की जा सकती लागू : शिवकुमार

» बोले - देश में बहुलवादी स्वभाव पर दिया जाए जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पूरे भारत में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की संभावना को खारिज करते हुए कहा है कि देश की विविधता इस तरह के कदम को असंभव बनाती है।

शिवकुमार ने भारत के बहुलवादी स्वभाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारा देश विविधता में एकता का देश है। समान नागरिक संहिता लागू नहीं की जा सकती। जब शिवकुमार से यूसीसी को लागू करने के हरियाणा भाजपा सरकार के कदम के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने इसकी व्यवहार्यता पर संदेह व्यक्त किया। प्रत्येक नागरिक का अपना निजी जीवन होता है। जब इसे पूरे देश में लागू नहीं किया जा सकता तो इसे एक राज्य में कैसे लागू किया जा सकता है? यह टिप्पणी यूसीसी के कार्यान्वयन पर चल रही बहस के बीच आई है, जिसका उद्देश्य धर्म पर आधारित व्यक्तिगत कानूनों को विवाह, तलाक, विरासत और अन्य नागरिक मामलों को नियंत्रित करने वाले कानूनों के एक सामान्य सेट के साथ बदलना है।

बिहार में अभी से सजने लगा सियासी मैदान

» भाजपा- जदयू ने शुरू की तैयारी » कांग्रेस से जुड़ने लगे दिग्गज नेता

» राजद ने भी कसी कमर

» राहुल के बिहार के दौरे के बाद मची है हलचल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। दिल्ली चुनाव की वोटिंग मुहाने पर है। सियासी दल प्रचार में जुटे हैं। इस बीच बिहार में आगामी चुनाव के लिए सियासी रस्साकसी शुरू हो गई है। बिहार में अभी से नेताओं के दल-बदल शुरू हो गये है। वहीं तेजस्वी, चिराग के बाद एक और नये चेहरे की वहां राजनीति में एंट्री होने की कयासबाजी शुरू हो गई है। वह चेहरा है नीतीशकुमार के पुत्र निशांत कुमार का। हालांकि जदयू इन बातों को बेकार बता रही हैं। वहीं कांग्रेस पार्टी ने एआईसीसी मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा और बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह की उपस्थिति में पार्टी में शामिल होने वाले लोगों की पूरी सूची साझा की।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले, बिहार के माउंटेन मैन दशरथ मांझी के बेटे भागीरथ मांझी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। साथ ही, जनता दल (यूनाइटेड) के पूर्व सांसद अली अनवर भी मंगलवार को पार्टी में शामिल हो गए। आज आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेताओं ने मांझी, अनवर और पूर्व आप नेता निशांत आनंद का पार्टी में स्वागत किया। लोकसभा चुनाव 2024 में आनंद ने गुरुग्राम से चुनाव लड़ा था, वह आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता भी थे। 18 जनवरी को पटना में राहुल गांधी द्वारा सम्मानित किए जाने के बाद से ही भागीरथ मांझी के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही थीं। कांग्रेस पार्टी ने एआईसीसी मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा और बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह की उपस्थिति में आज पार्टी में शामिल होने वाले लोगों की पूरी सूची साझा की। इनमें सामाजिक कार्यकर्ता, माउंटेन मैन दशरथ मांझी के पुत्र भागीरथ मांझी, अखिल भारतीय प्रजापति कुम्हार संघ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज प्रजापति, आम आदमी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता निशांत आनंद, ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद अली अनवर अंसारी शामिल हैं। इसके अलावा पद्मश्री जगदीश प्रसाद, बीजेपी की पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता निकहत अब्बास और फ्रैंक हुजूर भी कांग्रेस में शामिल हुए। कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि अली अनवर जी हमारे पुराने साथी रहे हैं और राज्य सभा के सांसद के रूप में भी सेवाएं दी हैं। साथ ही बिहार में पसमांदा समाज के लिए उन्होंने लगातार तीन दशक से ज्यादा का संघर्ष किया है। डॉ. जगदीश प्रसाद जी लोगों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। बिहार से कोई भी गरीब आदमी दिल्ली आता है तो यह हमेशा मदद करते हैं। मुझे बहुत खुशी है कि आज दशरथ मांझी जी के सुपुत्र भगीरथ मांझी जी भी कांग्रेस पार्टी जॉइन कर रहे हैं। मैं सभी का पार्टी में स्वागत करता हूं। मुझे उम्मीद है कि इन सभी लोगों के आने से कांग्रेस पार्टी को मजबूती मिलेगी और बिहार के आने वाले चुनावों में इन लोगों के व्यक्तित्व का लाभ मिलेगा।

निशांत के राजनीति में आने की अटकलें

जदयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री श्रवण कुमार ने निशांत के राजनीति में शामिल होने के बारे में कुछ संकेत दिए थे। श्रवण कुमार ने कहा था कि हम उनके (निशांत के) बयान का स्वागत करते हैं। उन्हें मौजूदा सरकार की अच्छी समझ है। यह पूछे जाने पर कि क्या निशांत को राजनीति में आना चाहिए? इसके जवाब में नीतीश के गृह जिले नालंदा से आने वाले बिहार सरकार के मंत्री ने कहा था कि बेशक, ऐसे प्रगतिशील विचारों वाले युवाओं का राजनीति में स्वागत है। फैसला सही समय पर लिया जाएगा। हालांकि जद (यू) ने आधिकारिक तौर पर इस मामले पर बात नहीं की, लेकिन पार्टी के कई नेता ने दबी जुबान से उनके राजनीति पर्दापण की बात कहते नजर आते हैं।

लालू ने तेजस्वी और रामविलास ने चिराग को किया आगे

लालू प्रसाद ने 2013 में अपने बेटे तेजस्वी प्रसाद यादव को पार्टी के अगले नेता के रूप में पेश किया था। लगभग उसी समय राम विलास पासवान ने भी अपने बेटे चिराग को पेश किया था। वह चिराग ही थे जिन्होंने 2014 के चुनाव से पहले एलजेपी को एनडीए के पाले में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस फैसले ने एलजेपी की राजनीतिक किस्मत बदल दी। इसी तरह, तेजस्वी ने 2020 के विधानसभा चुनावों में राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन को 110 सीटों पर पहुंचाया। एक नेता तो यहां तक कहते हैं कि अगर निशांत एक दशक पहले राजनीति में शामिल हुए होते, तो वे

नीतीश कुमार के स्वाभाविक उत्तराधिकारी हो सकते थे। लेकिन अभी भी देर नहीं हुई है। हमें भविष्य के लिए निशांत कुमार को जद (यू) में लाने की जरूरत है। आपको बता दें कि निशांत नीतीश कुमार और दिवंगत मंजू सिन्हा के इकलौते बेटे हैं। वह मेसरा में बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग स्नातक हैं।

भाजपा का कांग्रेस पर हमला जारी

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि पंडित नेहरू से राजीव गांधी तक कांग्रेस सदा आरक्षण का विरोध करती रही, जबकि जनसंघ से भाजपा तक हमने हमेशा आरक्षण का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हमारे लंबे संघर्ष का सुफल है कि दलित, आदिवासी, ओबीसी, ईबीसी , महिला और यहाँ तक कि सवर्ण समाज के गरीबों को भी आरक्षण मिला हुआ है। कोई भी वर्ग आज आरक्षण से वंचित नहीं है। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो -स्टडी सेल) की ओर से संविधान गौरव अभियान के तहत पटना के गांधी घाट पर आयोजित कार्यक्रम में श्री चौधरी ने संविधान पर क्विज कॉन्टेस्ट के विजेताओं को सम्मानित किया। चौधरी ने कहा कि 1950 में जब संविधान लागू हो रहा था, तब देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू आदिवासियों और दलितों को आरक्षण देने का विरोध कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार में जब कर्पूरी ठाकुर की सरकार ने अतिपिछड़ों को आरक्षण दिया, तब सरकार में शामिल जनसंघ के कैलाशपति मिश्र ने उनका समर्थन किया, जबकि कांग्रेस इसका विरोध करती रही। चौधरी ने कहा कि 1989 में जब प्रधानमंत्री वी पी सिंह ने मंडल आयोग की सिफारिश लागू कर पिछड़ों को आरक्षण दिया, तब भी कांग्रेस इसका विरोध कर रही थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में सामान्य वर्ग के गरीबों को भी 10 फीसद आरक्षण दिया और उन्होंने ही पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि संविधान बचाने का नाटक करने वाली कांग्रेस ने ही जम्मू-कश्मीर में संविधान को लागू नहीं होने दिया, संविधान की प्रस्तावना से छेड़छाड़ कर %सेक्युलर% शब्द जोड़ा, आपातकाल लगा कर संविधान का गला घोंटा, लेकिन संविधान की मूल भावना का कभी आदर नहीं किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अगस्त 2019 को धारा-370 हटा कर जम्मू-कश्मीर में भी संविधान को लागू कराया और एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान की कांग्रेसी नीति को कूड़ेदान में डाल दिया। चौधरी ने कहा कि भाजपा ने गरीबों-वंचितों के लिए आरक्षण की व्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ धारा-370 हटाने और अयोध्या में श्रीराम के जन्मस्थल पर भव्य मंदिर बनाने जैसे सभी बड़े राजनीतिक संकल्प पूरे किये। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी जो वादा करती है, उसे पूरा अवश्य करती है। यह विश्वास जन-जन तक पहुँच चुका है। जनता इसे मोदी की गारंटी मानती है।

उत्तराधिकारी पर पलट सकते हैं नीतीश कुमार

कर्पूरी ठाकुर ने कभी अपने परिवार को आगे नहीं बढ़ाया। आजकल लोग अपने परिवार को बढ़ाते हैं। हमने भी कर्पूरीजी से सीखकर परिवार में किसी को नहीं बढ़ाया. हम हमेशा दूसरे को बढ़ाते हैं। कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर जनवरी 2024 को नीतिश कुमार के दिए इस बयान ने ही जदयू और आरजेडी के अलग होने की पटकथा लिखी थी। जिसके बाद लालू की बेटी रोहिणी ने एक्स पोस्ट के जरिए नीतीश कुमार पर निशाना साधा था। बाद में जो हुआ वो हम सभी को पता ही है। ये बैकग्राउंड बताने का सीधा सा मतलब है कि बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) सर्वेसर्वा नीतीश कुमार हमेशा से वंशवाद की राजनीति के आलोचक रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) के खिलाफ अक्सर तंज कसते हुए उन्हें कहते सुना जाता रहा है कि उन्हें केवल परिवार को बढ़ावा दिया है। कुमार अक्सर यह भी कहते थे कि बिहार उनका परिवार है। लेकिन अब, विधानसभा चुनाव से पहले जद (यू) एक राजनीतिक उत्तराधिकारी के स्वागत की तैयारी कर रही है। सूत्रों के हवाले से ऐसी खबर मिल रही है कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के होली के बाद सक्रिय राजनीति में शामिल होने की संभावना है। सीएम के करीबी जद (यू) सूत्र के हवाले से दावा किया जा रहा है कि केवल नीतीश कुमार से हरी झंडी मिलने की देरी है। सूत्र बताते हैं कि नीतीश को निशांत के राजनीति में प्रवेश के बारे में पार्टी कार्यकर्ताओं की लगातार बढ़ती मांग के बारे में बताया गया। पिछले साल से ही निशांत का नाम जद (यू) के भीतर चर्चा में रहा है। कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं ने निशांत को पार्टी में शामिल करने की मांग उठाई। हालाँकि, वरिष्ठ नेताओं ने इसे खारिज कर दिया लेकिन निशांत का नाम अभी भी नियमित अंतराल पर सामने आता रहा। हालांकि जद (यू) के वरिष्ठ पदाधिकारी खुले तौर पर इस मामले पर बोलने से बचते रहे हैं। 8 जनवरी को अपने पिता के साथ निशांत स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियों का अनावरण करने के लिए अपने गृहनगर बख्तियारपुर गए। कार्यक्रम से इतर, अपने पिता से कुछ ही कदम की दूरी पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा यदि यह संभव है, तो कृपया जद (यू) और मेरे पिता को वोट दें और उन्हें फिर से जीताएं। यह पार्टी के लिए उनकी सार्वजनिक अपील थी। इससे पहले, उन्हें आखिरी बार 2015 में अपने पिता के शपथ ग्रहण समारोह के समय एक राजनीतिक समारोह में देखा गया था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बजट में क्या रोजगार पर जागेगी सरकार!

नया बजट आने वाला है। अब देखना है सरकार बेरोजगारों के लिए कोई सार्थक योजना लाती है कि नहीं। ऐसा न हो केवल कागजों पर ही रोजगार के आंकड़े दिखा दिये जाएं। भारत, जिसकी आबादी इस समय दुनिया में सबसे अधिक है, क्या वह कृत्रिम मेधा या रोबोट का उपयोग उसी तरह कर सकता है जैसे शक्ति-संपन्न पश्चिमी देश करते हैं, जहां आबादी की कमी है। पिछले बजट सत्र में वित्तमंत्री ने नई नौकरियों के लिए दो लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसके द्वारा अगले पांच साल में 4.1 करोड़ नौजवानों को विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे रोजगार की दुनिया में खुद को अनुकूलित कर सकें। पर अब भी बेरोजगारों की संख्या में कोई ज्यादा कमी नहीं हुई है। देश में आज भी आधी आबादी से कम खेतीबाड़ी में लगी हुई है। प्रश्न है कि वहां से सकल घरेलू आय में केवल 15 प्रतिशत का योगदान ही क्यों मिल रहा है? आंकड़े बता रहे हैं कि कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर बढ़ी है।

इसके अतिरिक्त, ऐसे बेरोजगार भी हैं जो पारंपरिक तरीके से अपनी पैतृक खेतीबाड़ी के धंधे में लगे रहते हैं, लेकिन देश की निवल आय में उनका कोई योगदान नहीं है। इस अनुपयोगी युवा शक्ति का इस्तेमाल किसी ऐसे वैकल्पिक धंधे में होना चाहिए जो उन्हें ग्रामीण स्तर पर ही वहीं काम उपलब्ध करवा दे। लघु और कुटीर उद्योगों का विकास और फसलों को पूर्ण रूप से तैयार करके सीधे मंडी में बेचना भी एक समाधान हो सकता है। लघु-कुटीर उद्योगों की बातें तो होती हैं लेकिन लाल डोरा क्षेत्र में भी ग्रामीण युवा शक्ति के स्थान पर शहरी निवेशक ही प्रवेश करता नजर आता है। निस्संदेह, जब निजी क्षेत्र का विकास होगा और नये कारखाने खुलेंगे या फसलों पर आधारित छोटे उद्योग बढ़ेंगे, तो लोगों को स्वाभाविक रूप से रोजगार मिल जाएगा। सरकार द्वारा नौकरियां देने की क्षमता बहुत कम है। बेरोजगारों को सरकारी नौकरी देने का प्रतिशत 30 से अधिक नहीं रहा। आर्थिक प्रोत्साहन और नए निवेश के बावजूद देश अधिक से अधिक हर साल 70 लाख नौकरियां ही प्रदान कर पाएगा, जबकि देश के युवाओं को हर वर्ष कम से कम एक करोड़ नौकरियों की आवश्यकता पड़ेगी। क्या निजी क्षेत्र, सरकार के सभी प्रोत्साहनों, सब्सिडियों, मुद्रा योजनाओं और लोन क्षमता बढ़ाने के बावजूद इस कसौटी पर पूरा उतर सकेगा? पिछले दस साल से सरकार रोजगार के मामले में फिसड्डी साबित हुई है। आलम ये रहा कि सरकारी सेवाएं भी अब संविदा वाली होने लगी हैं जो बेरोजगारी की तरह ही हैं। अब लोग सरकार से अपील कर रह हैं कि रोजगार स्थाई तरीके से दिया जाए। बेशक, इस बार के बजट में वित्तमंत्री युवाओं के लिए जरूर खजाना खोलेंगी।

“ पिछले बजट सत्र में वित्तमंत्री ने नई नौकरियों के लिए दो लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसके द्वारा अगले पांच साल में 4.1 करोड़ नौजवानों को विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे रोजगार की दुनिया में खुद को अनुकूलित कर सकें। पर अब भी बेरोजगारों की संख्या में कोई ज्यादा कमी नहीं हुई है। देश में आज भी आधी आबादी से कम खेतीबाड़ी में लगी हुई है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ाएगी खपत

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों पूरे देश के साथ-साथ मध्यम वर्ग की निगाहें वित्तमंत्री द्वारा एक फरवरी को प्रस्तुत किए जाने वाले केंद्रीय बजट 2025-26 की ओर लगी हुई हैं। दरअसल, देश के विकास का इंजन कहे जाने वाले मध्यम वर्ग की मुट्ठियों में धन की कमी के कारण उनके निजी उपभोग पर होने वाले खर्च में गिरावट से विकास दर प्रभावित हो रही है। उम्मीद है कि वित्तमंत्री आगामी बजट में टैक्स में कटौती और वित्तीय प्रोत्साहनों से आयकरदाता और मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाएंगी। कयास लगाए जा रहे हैं कि वित्तमंत्री नए टैक्स रिजीम के तहत 10 लाख रुपये तक की कमाई को टैक्स फ्री कर सकती हैं। मध्यम वर्ग के हाथ में जो अतिरिक्त धनराशि बचेगी, उससे खपत बढ़ाने में बड़ी मदद मिलेगी।

वस्तुत: मध्यम वर्ग के खर्च और निजी उपभोग का देश की विकास दर की रफ्तार से सीधा संबंध है। कोरोना-19 के बाद से मध्यम वर्ग के पास अपने उपभोग खर्च के बाद निवेश के लिए खर्च में लगातार कमी आ रही है। मध्यम वर्ग की जीवनशैली को बनाए रखने की लागत में अत्यधिक तेज वृद्धि ने इस वर्ग की वित्तीय मजबूती कम की है। बढ़ती हुई, खुदरा महंगाई ने भी मध्यम वर्ग के परिवारों पर वित्तीय दबाव को बढ़ा दिया है। पिछले वर्ष 2024 में खाद्य पदार्थों की खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक के निर्धारित मानक से अधिक रही है। स्थिति यह है कि निजी उपभोग में कमी ने निजी पूंजीगत व्यय के चक्र की रफ्तार घटा दी है। कोविड-19 के बाद मध्यम वर्ग की कमाई की रफ्तार में कमी आई है। साथ ही बढ़ती वित्तीय देनदारी और कर्ज की किस्त अदायगी का बोझ बढ़ने से मध्यम वर्ग चिंतित है। निस्संदेह, सरकार ने विगत वर्षों में जहां गरीब लोगों के लिए ढेर सारी राहतों का ऐलान किया, वहीं कॉर्पोरेट जगत पर भी सरकार ने ध्यान दिया। लेकिन सबसे अधिक टैक्स देने वाला मध्यम वर्ग पीछे छूट गया। पिछले विभिन्न बजटों में मध्यम वर्ग की चिंताओं पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया है।

इस वर्ग पर लगाए गए कर की तुलना में इस वर्ग को सार्वजनिक सेवाओं के ज़रिए बहुत कम रिटर्न मिला है, ऐसे में यह अपेक्षा की जा रही है कि आगामी बजट सरकार के लिए लक्षित कर सुधारों को आगे बढ़ाने, शहरी उपभोग मांग को बढ़ाने और मध्यम वर्ग को सीधे लाभ पहुंचाने वाली सेवाओं को बढ़ाने वाला बजट होगा। उपयुक्त कर राहत से एक अच्छा आर्थिक चक्र

बन सकता है। निस्संदेह, मध्यम वर्ग पर कर का बोझ कम करने से खपत बढ़ेगी। इससे जीएसटी संग्रह में वृद्धि होगी और कर योग्य आय वालों का आधार बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले 10 वर्षों में लगातार आयकर रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर की प्राप्ति में छलांगें लगाकर वृद्धि हुई है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल से दिसंबर, 2024 तक आयकर सहित प्रत्यक्ष कर संग्रहण करीब 16 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो कि पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 16 फीसदी से भी ज्यादा है। इस परिप्रेक्ष्य में आईसीआरए की रिपोर्ट कहती है कि आगामी बजट में सरकार व्यक्तिगत आयकरदाताओं को राहत दे सकती है, इससे कर संग्रह पर असर पड़ने का खतरा नहीं है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान प्रत्यक्ष कर संग्रह में 12 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। अप्रत्यक्ष करों में 9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। जीएसटी संग्रह में 10.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। सीमा शुल्क में भी 5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। ऐसे में मध्यम वर्ग के लिए टैक्स में कटौती और टैक्स ढांचे को आसान बनाकर खर्चों और सेविंग्स को बढ़ाने की कोशिश इस बजट में दिखाई दे सकती है। खासतौर से वेतनभोगी वर्ग को लाभान्वित करने के भी विशेष प्रावधान नए बजट में दिखाई दे सकते हैं। नई टैक्स रिजीम के तहत आयकर स्लैब में और बदलाव हो सकता है, ताकि अधिक से अधिक करदाता इसे अपनाने के लिए प्रेरित हो सकें। 30 प्रतिशत की दर को 20 लाख रुपये से अधिक की आय वालों पर लागू किया जाना अत्यधिक लाभप्रद होगा। नए बजट के तहत आयकर से संबंधित पुराने टैक्स रिजीम के अंतर्गत धारा 80सी के तहत छूट बढ़ाई जा सकती है।

नए बजट 2025-26 में पुराने टैक्स रिजीम के तहत भी स्टैंडर्ड डिडक्शन की लिमिट बढ़ाई जा सकती है। अभी पुरानी व्यवस्था में नौकरीपेशा लोगों और पेंशनधारकों को 50,000 रुपये तक की छूट दी जाती है। नई टैक्स रिजीम के तहत 75,000 रुपये की कटौती का लाभ मिलता है। वहीं दूसरी ओर अभी आयकर के कर दायरे में इजाफा किए जाने की बड़ी संभावनाएं हैं। बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार सेक्टर में कार्यरत रहते हुए कमाई करने वाले, महंगी आरामदायक व विलासिता की वस्तुओं का उपयोग करने वाले तथा पर्यटन के लिए विदेश यात्राएं करने वालों में से भी बड़ी संख्या में लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या फिर बहुत कम आयकर देते हैं।

दुनिया की दुखती रग पर चोट दी ट्रंप ने

दिनेश सी. शर्मा

अमेरिकी राष्ट्रपति का ओहदा संभालते ही डोनाल्ड ट्रंप ने जिन कार्यकारी आदेशों पर सबसे पहले हस्ताक्षर किए उनमें एक है विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका का हटना। आदेश में दलील दी गई है कि यह निर्णय 'चीन के वुहान से शुरू हुई कोविड महामारी और अन्य वैश्विक स्वास्थ्य संकटों को ठीक से न संभाल पाना, फौरी तौर पर जिन सुधारों की जरूरत थी उन्हें करने में विफलता और संगठन के सदस्य देशों के अनुचित राजनीतिक प्रभाव से खुद को मुक्त रख पाने में इसकी 'अक्षमता' के बाद लिया गया है।' आदेश में कहा गया है कि अमेरिका चीन जैसे देशों की तुलना में विश्व स्वास्थ्य संगठन को 'कहीं अधिक' सहायता दे रहा है- चीन की आबादी 1.4 बिलियन है, लेकिन वह बहुत कम राशि का योगदान करता है। ट्रंप के इस फैसले में न केवल अमेरिका बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा पर दूरगामी प्रभाव निहितार्थ है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रति ऐसी हेठी उनके पहले कार्यकाल के दौरान में भी स्पष्ट थी, जब दुनिया कोविड महामारी की मार से जूझ रही थी। स्थिति को ठीक से न संभालने के लिए उन्होंने इस स्वास्थ्य एजेंसी को सीधे तौर पर दोषी ठहराया था। ट्रम्प ने इसको दिए जाने वाले अमेरिका के अंशदान को ऐसे वक्त पर रोक दिया था जब वह सदी के सबसे बुरे वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल से जूझ रहा था। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका की अंतिम वापसी की प्रक्रिया शुरू कर भी दी थी, लेकिन ऐसा होने से पहले, वे चुनाव हारकर सत्ता से बाहर हो गए थे। उनके बाद आए जो बाइडेन ने उक्त आदेश को उलट दिया और डब्ल्यूएचओ को अमेरिका का वित्तीय अंशदान बहाल कर दिया था। अब नए जारी किए गए कार्यकारी आदेश का मतलब है कि अमेरिका एक साल के भीतर संगठन को अपनी वित्तीय सहायता बंद कर देगा। वर्तमान में, डब्ल्यूएचओ के कुल वित्त पोषण में अमेरिका का अंशदान लगभग 18 फीसदी है। दो साल (2024 और 2025) के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन का बजट 6.8 बिलियन डॉलर है।

डब्ल्यूएचओ का गठन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, स्वास्थ्य और बीमारियों के महत्वपूर्ण मामलों से निपटने के मंतव्य से एक विशेष संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के रूप में किया गया था। इसे वैज्ञानिकों, चिकित्सा विशेषज्ञों और स्वास्थ्य नीति निर्माताओं के अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क युक्त एक तकनीकी एजेंसी के रूप में कार्य करने के लिए अधिकृत किया गया था। इसके मुख्य कार्यों में एक है नए पैदा हो रहे संक्रमणों पर निगरानी एवं सूचना साझा करना। दशकों से, इस एजेंसी के काम ने चेचक, यॉस, पीला बुखार, कुष्ठ रोग और पोलियो जैसी बीमारियों के उन्मूलन और नियंत्रण में मदद की है। यूएन एड्स नामक एक नई एजेंसी के माध्यम से इसकी एचआईवी/एड्स पर की वैश्विक कार्रवाई भी उल्लेखनीय रही। अब, इसका ध्यान तपेदिक उन्मूलन पर है। वर्ष 2000 से नए संक्रमणों के उभरने और पुराने संक्रमण- जैसे कि सार्स, बर्ड फ्लू, एमईआरएस, इबोला, एमपॉक्स और कोविड 19 के लिए उभरने से एजेंसी का काम अधिक ध्यान खींच रहा है। एक वैश्वीकृत, एक-दूसरे से बहुत अधिक जुड़े एवं परस्पर निर्भरता वाले विश्व में, स्वास्थ्य सुरक्षा सीधे तौर पर अर्थव्यवस्था के साथ जुड़ी हुई है।

डब्ल्यूएचओ से हटने का फैसला वैश्विक समुदाय के अलावा खुद अमेरिका के लिए भी बुरा रहेगा। यह अमेरिका की दवा निर्माता कंपनियों को विश्व स्वास्थ्य संगठन के महामारी, इनफ्लुएंज़ा तंत्र से मिलने वाले रोग के प्रकोप और स्वास्थ्य आपात स्थिति संबंधी महत्वपूर्ण डेटा से वंचित कर देगा। यह निर्णय आगे वैश्विक महामारी संधि और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमन जैसे अन्य तंत्रों में चल रही वार्ताओं से अमेरिका के हटने की राह खोलेगा। डब्ल्यूएचओ के साथ काम कर रहे दर्जनों अमेरिकी विशेषज्ञों को भी वापस बुलाकर अन्यत्र नियुक्त किया जाएगा। दो अमेरिकी संस्थान- सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ- महत्वपूर्ण मुद्दों पर डब्ल्यूएचओ के साथ काफी गहरे तक जुड़े हैं। ऐसी साझेदारियों का खत्म होना परस्पर हानिकारक रहेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए, अपने सबसे बड़े दानदाता का चले जाना एक गंभीर झटका है, वह भी ऐसे समय में जब अन्य देशों का योगदान पहले से ही कम होता जा रहा है। अमेरिका के बाद, अगला सबसे बड़ा दानदाता देश जर्मनी है, जिसका एजेंसी के वित्त पोषण में योगदान लगभग 3 प्रतिशत है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में, डब्ल्यूएचओ को कुछ गैर-राजकीय दानदाताओं से मिलने वाले धन में काफी वृद्धि हुई है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन इस सूची में सबसे ऊपर है, उसके बाद नंबर आता है यूरोपियन आयोग और विश्व बैंक का।

गेट्स फाउंडेशन पोलियो उन्मूलन और टीकों जैसे क्षेत्रों में काम में मदद कर रहा है। यदि अमेरिका द्वारा वित्तीय मदद बंद करने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन को मिलने वाला राष्ट्रीय वित्त पोषण नहीं बढ़ता, तो इसकी निर्भरता गेट्स जैसे निजी दानदाताओं पर बढ़ सकती है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के स्वतंत्र कामकाज के लिए यह स्थिति अच्छी नहीं होगी। आलोचकों का मानना है कि निजी वित्त पोषण के साथ कुछ शर्तें जुड़ी होती हैं, जो बदले में वैश्विक स्वास्थ्य एजेंडे को प्रभावित कर सकती हैं। डब्ल्यूएचओ के कामकाज को और अधिक कुशल, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाने के लिए इसमें सुधार की मांग करना जायज है। महामारी के मद्देनजर, भारत ने भी 2020 में जी-20 और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन जैसे बहुपक्षीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाया था। भारत का सुझाव है कि डब्ल्यूएचओ को कोविड-19 जैसी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित करने के लिए वस्तुनिष्ठ मानदंड और मापदंड तैयार करने चाहिए।

महिलाओं में कैंसर

इन फलों से कम होगा जोखिम

कैंसर, गंभीर और जानलेवा स्थिति मानी जाती है, सभी उम्र वाले लोगों में इसका खतरा हो सकता है। महिलाओं में सर्वाइकल और स्तन कैंसर के मामले सबसे अधिक रिपोर्ट किए जाते रहे हैं, जिसके कारण हर साल लाखों की मौत हो जाती है। आनुवांशिकता के साथ लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी ने इसके खतरे को काफी बढ़ा दिया है। कैंसर के खतरे से बचाव के लिए जरूरी है कि दिनचर्या और आहार को ठीक रखें। एंटी-कैंसर वाले आहार आपके जोखिमों को कम करने में लाभकारी हो सकते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि कुछ फलों में ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो कैंसर के जोखिमों को कम करने वाले हो सकते हैं। पपीते को लेकर किए गए शोध में पाया गया कि यह महिलाओं की सेहत में सुधार और कुछ प्रकार के कैंसर से बचाने वाला फल हो सकता है।

पपीता

शोधकर्ताओं ने पाया कि पपीता लाइकोपीन से भरपूर होता है, यह एक प्रकार का एंटीऑक्सीडेंट है जिसे सर्वाइकल और स्तन कैंसर के खतरे से बचाने वाला माना जाता है। पपीता के अलावा गाजर, टमाटर और तरबूज में भी इसकी मात्रा होती है। हृदय रोग से बचाने और कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप को कम करने में भी पपीता फल के सेवन से लाभ पाया जा सकता है। इसलिए सभी महिलाओं को आहार में पपीता को शामिल करना चाहिए। क्योंकि पपीता इसमें रामबाण इलाज की तरह काम करता है।

तरबूज

तरबूज के बीज शरीर को बीमारियों से बचाने और इनसे लड़ने में मदद करने वाले इम्यून सिस्टम को बढ़ाने में भी लाभदायक हो सकते हैं। दरअसल, यूरोपियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन के मुताबिक मैग्नीशियम और इम्यून सिस्टम के बीच गहरा संबंध है।

सेब के प्रभावी गुण

सेब न केवल सबसे लोकप्रिय फलों में से एक है। सेब के प्रत्येक सर्विंग से फाइबर, पोटेशियम और विटामिन-सी प्राप्त होता है, ये सभी कैंसर से बचाने में आपके लिए मददगार हो सकते हैं। सेब में पाया जाने वाला फाइबर शौच की नियमितता को बढ़ावा देता है और आपके पाचन तंत्र को ठीक रखने में मदद करता है। पोटेशियम आपके द्रव संतुलन को ठीक करता है और कैंसर के जोखिमों को कम करने में इसके लाभ हो सकते हैं। सेब को सबसे पौष्टिक फलों में से एक माना जा सकता है। यह इम्युनिटी को बढ़ा सकता है, तनाव झेलने में मदद कर सकता है, और इसमें बायोएक्टिव कंपाउंड भी होते हैं जो मानव स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। सेब में पेक्टिन नामक घुलनशील डाइटरी फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं, जो पाचन प्रक्रिया में सहायक हो सकते हैं।

अंगूर के एंटीऑक्सीडेंट प्रभाव

कैंसर के खतरे को कम करने के लिए आप फायदेमंद फलों की सूची में अंगूर को भी शामिल कर सकते हैं, ये फल एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन्स और खनिजों से भरपूर होता है। अंगूर में मौजूद विटामिन सी, प्रोविटामिन-ए और पोटेशियम की मात्रा शरीर को कई गंभीर रोगों के खतरे से बचाने वाली भी हो सकती है। इसके अलावा लाइकोपीन एक कैरोटीनॉयड है जिसमें शक्तिशाली कैंसर रोधी गुण होते हैं। कुछ शोध बताते हैं कि यह कैंसर उपचार वाले रोगियों के लिए विशेष लाभकारी है।

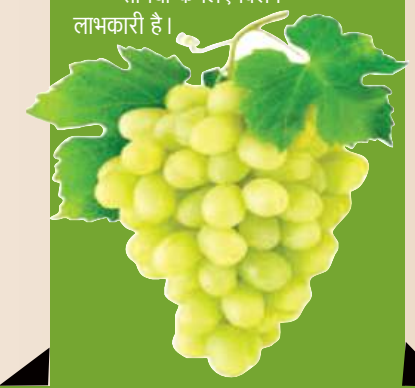

संतरे से होने वाले लाभ

संतरे साइट्रिक फल होने के कारण विटामिन-सी से भरपूर होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए काफी लाभकारी है। विटामिन-सी के साथ ये थायमिन, फोलेट और पोटेशियम जैसे अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की पूर्ति करने वाला फल है। विटामिन-सी को प्रतिरक्षा के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है जो कैंसर से बचाने और उपचार के दौरान भी आपको तेज रिकवरी पाने में मदद कर सकता है।

हंसना मना है

मरीज (डॉक्टर से)-मैं रोज 50 रुपये की दवाई ले रहा हूं, पर कोई फायदा नहीं हो रहा! डॉक्टर- अब तुम मुझसे 40 रुपये वाली दवाई ले जाओ, इससे तुम्हे रोज 10 रुपये का फायदा होगा!

टीचर- टिल्लू तुम बताओ, बड़े होकर क्या बनोगे? टिल्लू, शरमाते हुए- दूल्हा, टीचर- अरे मेरा मतलब है, बड़े होकर क्या पाना चाहते हो? टिल्लू, शरमाते हुए- दुल्हन, टीचर- उफ्फोह, मुझे बताओ, बड़े होकर ऐसा क्या करोगे जो तुमने अभी तक नहीं किया? टिल्लू- जी शादी!

टीचर- घर की परिभाषा बताओ, टीटू- जो घर हौसले से बनाये जाते हैं उसे हाऊस कहते हैं, जिन घरों में होम-हवन होते हैं उन्हें होम कहते हैं, जिन घरों में हवा ज्यादा चलती है उन्हें हवेली कहते हैं, जिन घरों में दीवारों के भी कान होते हैं उन्हें मकान कहते हैं, जिन घरों के लोन के इंस्टॉलमेंट भरते-भरते आदमी लेट जाता है उन्हें फ्लैट कहते हैं, और जिन घरों में यह भी न पता हो कि बगल के घर में कौन रहता है उन्हें बंगला कहते हैं। टीटू को student of the year चुना गया।

कहानी | हंस और मूर्ख कछुआ

एक जंगल के बीचों-बीच एक तालाब था, जहां जानवर आकर अपनी प्यास बुझाया करते थे। उसी तालाब में एक कछुआ भी रहता था। वह फालतू की बातें बहुत करता था, इसलिए सभी जानवरों ने उसका नाम बातूनी कछुआ रखा हुआ था, लेकिन दो हंस उसके बहुत अच्छे दोस्त थे, जो हमेशा उसका भला चाहते थे। एक बार गर्मी के मौसम में तालाब का पानी धीरे-धीरे सूखने लगा। जानवर पानी पीने के लिए तरसने लगे। हंसों ने कछुए से कहा कि इस तालाब का पानी कम हो रहा है और हो सकता है कि यह बहुत जल्दी सूख जाए। तुम्हें यह तालाब छोड़कर कहीं और चले जाना चाहिए। इस पर कछुए ने कहा कि मैं यह तालाब छोड़कर कैसे जा सकता हूं और यहां आसपास कोई तालाब भी नहीं है, लेकिन हंस अपने दोस्त की मदद के लिए एक तरकीब निकाली। दोनों हंसों ने कहा कि हम एक लकड़ी लेकर आते हैं, तुम अपने मुंह से उसे बीच में से पकड़ लेना और लकड़ी का एक-एक सिरा हम दोनों पकड़कर तुम्हें यहां से दूर एक बड़े तालाब में ले जाएंगे। उस तलाब में बहुत सारा पानी है और वो कभी नहीं सूखता। कछुआ उनकी बात मान गया और हंसों के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। उड़ने से पहले हंसों ने उसे चेतावनी दी कि वह रास्ते में कुछ भी न बोले। जब हम बड़े तालाब पर पहुंच जाएंगे, तब ही उसे जो बोलना है बोल सकता है। कछुए ने हां में उत्तर दिया और लकड़ी को पकड़ लिया। वो दोनों हंस लकड़ी को पकड़कर उड़ चले। वो उड़ते हुए एक गांव के ऊपर से निकले। गांव वालों ने ऐसा पहली बार देखा था। सभी तालियां बजाने लगे। यह देखकर कछुए से रहा नहीं गया और बोला कि नीचे क्या हो रहा है? जैसे ही उसने बोलने के लिए मुंह खोला उसके मुंह से लकड़ी छूट गई और वो नीचे गिर गया। ऊंचाई से नीचे गिरने की वजह से कछुआ मर गया और हंस अफसोस करते हुए वहां से चले गए।

7 अंतर खोजें

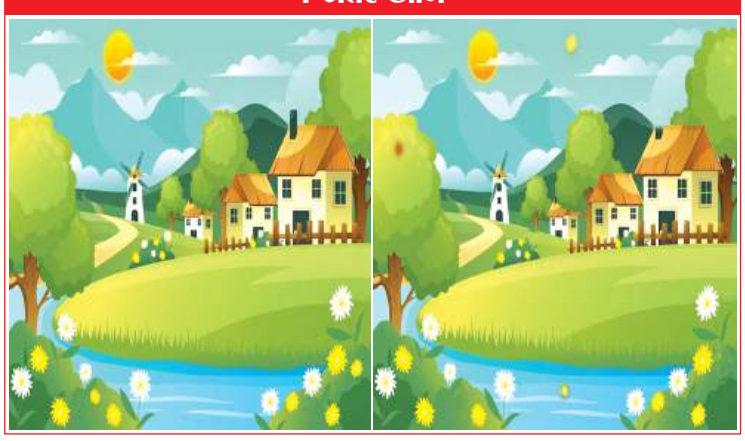

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज भाई को नया रोजगार मिलेगा। आपको नौकरी में अप्रत्याशित लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें।

वृषभ फालतू खर्च होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन मुलाकातों से लाभ होगा। आमदनी बढ़ेगी।

मिथुन विवाद से क्लेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा।

कर्क घर-बाहर तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जल्दबाजी न करें। नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। किसी मामले में कटु अनुभव मिल सकते हैं।

सिंह धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कानूनी बाधा दूर होकर लाभ होगा। पूंजी निवेश बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में तरक्की होगी।

कन्या आज आपको चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार की स्थिति अच्छी रहेगी।

तुला शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। कार्यकुशलता सहयोग से लाभान्वित होंगे।

वृश्चिक चोट व रोग से बाधा संभव है। बेचैनी रहेगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार मिलेगा। संतान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सोचे कामों में मनचाही सफलता मिलेगी।

धनु पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। नए कार्यों, योजनाओं की चर्चा होगी।

मकर पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। अस्वस्थता बनी रहेगी। खुद के प्रयत्नों से ही जनप्रियता एवं सम्मान मिलेगा।

कुम्भ प्रयास सफल रहेंगे। प्रशंसा प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्य क्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ होगा।

मीन पुराने संगी-साथियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। परिश्रम का पूरा परिणाम मिलेगा।

फिल्म रेंजर में संजय दत्त से भिड़ेंगे अजय देवगन

बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन इन दिनों एक के बाद एक फिल्मों में नजर आ रहे हैं। इस साल उनकी तीन बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली है जिसकी शूटिंग उन्होंने लगभग खत्म भी कर दी है। अब खबर है कि अजय एक और फिल्म रेंजर में नजर आने वाले हैं जो एक जंगल एडवेंचर फिल्म होने वाली है जिसमें उनका सामना एक खतरनाक विलन से होगा।

सूत्रों के मुताबिक, अजय को फिल्ममेकर लव रंजन और जगन शक्ति की इस फिल्म में कास्ट किया गया है जिसमें उनके सामने बॉलीवुड के खलनायक संजय दत्त को कास्ट किया गया है। उन्होंने बताया, अजय देवगन और संजय दत्त को साथ कभी नहीं देखा गया है। पहली बार फिल्म रेंजर में कास्ट किया गया है। ये कास्टिंग स्क्रिप्ट को देखकर ही की गई है। क्योंकि फिल्म में जो औरा विलेन का है, वो संजय दत्त अपनी जिंदगी में खुद लेकर चलते हैं। फिल्म की कहानी जंगलों में स्थित है जिसके लिए इसके मेकर्स अजय देवगन और संजय दत्त का एक स्पेशल लुक तैयार कर रहे हैं। जिसमें वो एक जंगल के रेंजर या रक्षक का किरदार निभाते नजर आएंगे।सूत्रों ने आगे खुलासा किया कि फिल्म के मेकर्स इसकी शूटिंग साल 2025 की गर्मियों के समय में शुरू करने का प्लान बना रहे हैं। फिल्म के प्री-प्रोडक्शन पर अभी काम जारी है। अजय देवगन और संजय दत्त रेंजर से पहले कुछ ऐसी फिल्मों में नजर आने वाले हैं जिसमें या तो वो कॉमेडी करते या सीरियस रोल्स करते नजर आएंगे। लेकिन रेंजर में दोनों का आमना-सामना बड़े पर्दे पर देखने लायक होने वाला है। लव फिल्म्स जिसके मालिक लव रंजन हैं, वो फिल्म को एक बड़े स्केल पर उतारने का प्लान कर रहे हैं। जगन शक्ति इसके वीएफएक्स के काम देख रहे हैं। वो जगह-जगह दुनिया के कई बड़े वीएफएक्स कंपनियों के पास जा रहे हैं ताकि वो जंगली जानवर और जंगल को बनाने का काम एक अच्छी टीम को सौंप सकें।

'ब्लैक वारंट' मेकर्स के साथ मिलकर दो फिल्मों पर काम करेंगे कबीर खान

इन दिनों नेटफ्लिक्स पर पुलिस ड्रामा सीरीज 'ब्लैक वारंट' को काफी सराहा जा रहा है। इस सीरीज के मेकर्स अप्लॉज एंटरटेनमेंट है। अब अप्लॉज एंटरटेनमेंट बॉलीवुड डायरेक्टर कबीर खान के साथ मिलकर अगले दो फिल्म प्रोजेक्ट्स पर काम करने वाला है। यह दोनों मिलकर इन फिल्मों का सह-निर्माण करेंगे। जिन दो फीचर फिल्मों पर मिलकर 'ब्लैक वारंट' के मेकर्स और कबीर खान काम करेंगे, उनमें कबीर खान बतौर डायरेक्टर, क्रिएटिव प्रोडक्शन लीड काम करेंगे। कबीर खान का डायरेक्शन स्टाइल काफी अलग रहा है। वह अपनी फिल्मों में एंटरटेनमेंट के साथ मैसेज देने की कोशिश भी करते हैं। कबीर खान और 'ब्लैक वारंट' के मेकर्स के बीच जो साझेदारी हुई है। उसका मकसद ऐसी कहानियों को पर्दे पर लाना है, जो लोगों के दिलों को छू सकें। इस साझेदारी से डायरेक्टर कबीर खान भी काफी खुश हैं।

कबीर खान ने 2006 में एडवेंचर थ्रिलर फिल्म 'काबुल एक्सप्रेस' से अपने डायरेक्शन करियर की शुरुआत की थी। फिर 9/11 हमले के बाद अमेरिका में लोगों के साथ जो रंग-भेद और भेदभाव हुआ, उस पर फिल्म 'न्यूयॉर्क' बनाई। इसके अलावा सलमान खान के साथ 'एक था टाइगर', 'बजरंगी भाईजान' और क्रिकेट फिल्म '83' का डायरेक्शन किया। पिछले साल भारत के पहले पैरालिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट विनर मुरलीकांत पेटकर पर आधारित फिल्म 'चंदू चैंपियन' भी कबीर खान ने बनाई। इसमें कार्तिक आर्यन ने मुरलीकांत पेटकर का लीड रोल निभाया था।

बॉलीवुड | मन की बात

पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं से होती है बहुत अपेक्षाएं : सान्या

सान्या मल्होत्रा अपनी आगामी फिल्म मिसेज को लेकर चर्चा में हैं। कई फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित हो चुकी और तारीफ बटोर चुकी फिल्म अब ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में सान्या एक प्रतिभाशाली डांसर की भूमिका में हैं, जिसकी जिंदगी शादी के बाद एक नाटकीय मोड़ लेती है। हाल ही में अभिनेत्री अपनी इस फिल्म के बहाने समाज में महिलाओं से की जाने वाली उम्मीदों और भेदभाव पर बात करती दिखीं। फिल्म मिसेज में सान्या मल्होत्रा एक हाउस वाइफ के रोल में हैं, जो प्रतिभाशाली डांसर है। एक पुरुष प्रधान घर में शादी के बाद उसकी जिंदगी में बड़े बदलाव आते हैं। फिल्म समाज में महिला और पुरुषों के बीच मौजूद भेदभाव को दिखाती है। आरती कडव के निर्देशन में बनी फिल्म मिसेज के बहाने सान्या मल्होत्रा ने समाज में महिलाओं से की जाने वाली गैर-जरूरी उम्मीदों पर बात की। न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में सान्या ने समाज के रवैये पर बात की, जिसमें शादी और बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं को नौकरी छोड़ देने के लिए कहा जाता है। सान्या मल्होत्रा ने कहा, समाज में महिलाओं से बहुत सारी अपेक्षाएं हैं। आजकल यह बहुत स्वाभाविक है कि महिला से उम्मीद की जाती है कि वह बच्चे को जन्म देने के बाद नौकरी छोड़ दे। लेकिन बच्चा दोनों का है, है न? यह पति और पत्नी दोनों की जिम्मेदारी है। ऐसे में हमें परिवार में एक बेहतर तालमेल की जरूरत है। हमारे किरदार शायद ऐसा करने में सक्षम न हों, लेकिन इसके कई उदाहरण हैं। लोगों को उससे सीखना चाहिए। सान्या मल्होत्रा के अलावा फिल्म की निर्देशक आरती कडव ने भी इस बारे में बात की। एएनआई से बातचीत में उन्होंने कहा, महिलाओं को चुनाव नहीं करना चाहिए। विचार यह है कि विवाह एक संस्था है, इसलिए इसमें उनके करियर और सपनों के लिए भी जगह होनी चाहिए। ऐसा क्यों है कि शादी महिलाओं के जुनून और महत्वाकांक्षा को तुरंत खत्म कर देती है? महिलाओं को घर में क्यों रहना पड़ता है और क्यों एडजस्ट करना पड़ता है और वे सब क्यों करना पड़ता है?

रोज कई आप बार करते होंगे स्कैन, पर क्या आपको मालूम है क्यूआर कोड का फुलफॉर्म

क्यूआर को स्मार्टफोन कैमरे या क्यूआर कोड रीडर ऐप का उपयोग करके आसानी से स्कैन किया जा सकता है। यह उपयोग करने वालों को बिना टाइप किए या अपने से डेटा भरे ही तुरंत जानकारी प्राप्त करने, भुगतान करने या अन्य कार्रवाई करने में मदद करता है। क्यूआर कोड का व्यापक रूप से इस्तेमाल हो रहा है। ये कुछ बेचने, भुगतान करने, टिकट बनाने या जानकारी देने के लिए भी उपयोग किया जा रहा है। ये हॉरिज़ोंटल और वर्टिकल, दोनों दिशाओं में डेटा संग्रह कर सकता है और यही क्षमता क्यूआर कोड को और भी ज्यादा उपयोगी और तेज बनाती है। डिजिटल युग में ये एक जरूरी और बेहतरीन टूल साबित हो रहा है। क्यूआर कोड का पूरा मतलब क्विक रिस्पांस कोड है। यह दोनों तरफ से एक्सेस किया जाने वाला कोड है जो सफेद बैकग्राउंड पर काले स्क्वेयर्स ग्रिड में टेक्स्ट या वेबसाइट लिंक जैसे डेटा को कलेक्ट करता है। जापान की डेन्सो वेव कंपनी ने 1994 में इस QR कोड को विकसित किया था। ये क्यूआर कोड डेटा को तेजी से इनकोड और डीकोड करने, सूचनाओं के जल्दी से आदान-प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। QR कोड कई प्रकार के होते हैं और ये सभी बिल्कुल अलग होते हैं। प्रत्येक कोड का एक अलग डिजाइन और उपयोग होता है। इसके मुख्य रूप से 3 प्रकार होते हैं, जिन्हें अलग-अलग उद्देश्यों से इस्तेमाल किया जाता है। पहला न्यूमेरिकल क्यूआर कोड होता है, जो संख्याओं को कोड करने, इन्वेंट्री रोकने और सीरियल नंबरों को ट्रैक करने के काम में आता है। दूसरा अल्फ़ान्यूमेरिक क्यूआर कोड होता है, जो अक्षरों और संख्याओं को कलेक्ट करके रखता है। ये वेब लिंक, फोन नंबर और टेक्स्ट मैसेज जैसे डेटा के लिए उपयोगी होता है। जैसे ही क्यूआर कोड को कैमरे के सामने रखा जाता है, स्कैनर क्यूआर कोड पर डिज़ाइन को पढ़ना शुरू कर देता है। डिजाइन में सफेद बैकग्राउंड पर काले स्क्वेयर और बिंदु शामिल हैं। स्कैनर क्यूआर कोड में डेटा को डीकोड करता है और फिर काम करता है। क्यूआर कोड ऐप्स को बढ़ावा देने में उपयोगी होते हैं। सभी ऐप में यूनिक क्यूआर कोड होता है, जिसे यूज़र्स स्कैन करके उस ऐप को डाउनलोड कर सकते हैं। यह यूजर इंटरेक्शन को भी बढ़ावा देता है। वित्तीय लेनदेन के अलावा क्यूआर कोड वेबसाइटों, वीडियो और अन्य प्रचार सामग्री को एक्सेस करने में मदद देते हैं। चाहे कुछ ऑर्डर करना हो या फिर टिकट बुक करनी हो, ये इस प्रक्रिया को आसान बनाता है और गैर जरूरी भीड़भाड़ से भी बचने में मदद देता है।

अजब-गजब | दुनिया का इकलौता देश, जहां का पैसा है बेकार

इस देश में गिनने के बजाय तौल के लिया जाता है रुपया

दुनियाभर के अलग-अलग देशों में अलग-अलग करेंसी है। भारत में रुपया चलता है तो बांग्लादेश में टका। थाईलैंड में बाथ तो अमेरिका में डॉलर। यूरोपियन देशों में पाउंड और यूरो का बोलबाला है। हर देश की करेंसी वहां के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। दूसरे देशों से जब भी कोई वहां पहुंचता है तो उन्हें करेंसी एक्सचेंज करवानी पड़ती है। लेकिन दुनिया में एक देश ऐसा भी है, जहां की करेंसी बहुत बेकार है। ऐसे में अगर आप वहां कुछ सामान लेने जाएंगे, तो करेंसी की कीमत कबाड़ी के भाव तौलकर लगाई जाती है। क्या आप उस स्वघोषित देश के बारे में जानते हैं? अगर नहीं जानते तो बता दें कि उस देश का नाम सोमालीलैंड है। सोशल मीडिया पर वहां का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ऐसा दावा किया जा रहा है। हालांकि, सोमालीलैंड की अधिकृत करेंसी सोमालीलैंड शिलिंग है।

वायरल हो रहे इस वीडियो में बताया गया है कि दुनिया में एक ऐसा देश है, जहां के पैसे इतने बेकार हैं कि लोग उन्हें गिनने के बजाय तराजू में तौलते हैं। जी हां, आपने सही सुना। इस देश का नाम सोमालीलैंड है, जो खुद को आजाद मानता है। लेकिन दुनिया इसे देश मानने को तैयार नहीं है। अफ्रीका के पूर्वी हिस्से में स्थित सोमालीलैंड एक छोटा सा क्षेत्र है। साल 1991 में जब सोमालिया गृहयुद्ध में डूब गया था, तब सोमालीलैंड ने खुद को अलग देश घोषित कर लिया। यह इलाका लगभग 1 लाख 37 हजार स्क्वैयर मीटर तक फैला है, जबकि यहां की आबादी करीब 40 लाख है। इस स्वघोषित देश को सबसे खास यहां की करेंसी बनाती है, जिसे लोग सब्जियों की तरह खरीदते हैं। पूरे सोमालिया की करेंसी सोमाली शिलिंग है, जहां 1 डॉलर लगभग 570 सोमाली शिलिंग के बराबर होती है। वहीं, सोमालीलैंड में 1 अमेरिकी डॉलर की कीमत 10 हजार से 11 हजार सोमालीलैंड शिलिंग के बराबर होती है। इस वजह से यहां के दुकानदार पैसों को गिनने की जगह तौलने पर भरोसा करते हैं। ऐसे में आप जाएंगे तो भारत के सौ रुपए के बदले लगभग आपको 12 हजार सोमालीलैंड शिलिंग मिलेंगे। उसके बाद ही वहां पर खरीदारी संभव है। वैसे आपको बता दें कि सोमालीलैंड ने खुद को भले ही देश घोषित कर लिया हो, लेकिन दुनिया की नजर में ये अभी भी सोमालिया का हिस्सा है। ज्यादातर देशों ने सोमालीलैंड को मान्यता नहीं दी है। सोमालिया की तरह ही यहां पर भी भूखमरी और बेरोजगारी चरम पर है। सोमालीलैंड के पड़ोसी देशों इथियोपिया और जिबूती के साथ-साथ बेल्जियम, कनाडा, फ्रांस, घाना, केन्या, नॉर्वे, रूस, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण सूडान, स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और यमन के साथ राजनीतिक संपर्क हैं। बावजूद इसके सोमालीलैंड को स्वायत्त देश का दर्जा नहीं मिल सका है। सोशल मीडिया पर सोमालीलैंड के फैक्ट से जुड़ा यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। अब तक इस वीडियो 3 करोड़ 10 लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है। वहीं, लाखों लोगों ने इसे लाइक और शेयर किया है। इसके अलावा हजारों की संख्या में लोगों ने कमेंट किए हैं। कोई कमेंट में कह रहा है कि यूएन और बिल गेट्स इनकी मदद क्यों नहीं करते? तो किसी ने लिखा है कि यही वो देश है, जहां पर मेरे पैसों की सारी दिक्कतें खत्म हो जाएंगी। तो कोई इस देश को खतरनाक बतला रहा है।

प्रशासनिक हत्या है महाकुंभ हादसा : राउत

» गृहमंत्री अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के चलते हुआ हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने प्रयागराज में महाकुंभ में मची भगदड़ के बाद प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। संजय राउत ने कहा है कि वीवीआईपी पहुंचते हैं, तो पूरे घाट को बंद कर दिया जाता है। रक्षा मंत्री और गृह मंत्री गए थे, तो पूरे घाट को बंद कर दिया गया। इससे व्यवस्था के ऊपर दबाव बढ़ा, जिसके कारण यह भगदड़ मची। उन्होंने कहा,इस भगदड़ में 30 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। यह प्रशासन द्वारा की गई हत्या है। उन्होंने कहा कि कुंभ के आयोजन में 10 हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा पैसा खर्च हुआ है। आखिर कहां गया पैसा? अगर व्यवस्था अच्छी होती, तो आज इस तरह की स्थिति पैदा ही नहीं हुई होती।

आज इस घटना में सैकड़ों लोग जख्मी हो गए। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि भाजपा इस महाकुंभ के माध्यम से प्रचार करने में लगी हुई थी। भाजपा कुंभ के माध्यम से राजनीतिक लाभ अर्जित करने की कोशिश कर रही थी। उन्होंने कहा कि जब वीवीआईपी वहां जाते हैं, तो पूरा घाट बंद कर दिया जाता है।

राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की गयी

इसी वजह से भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हुई है। वीवीआईपी के लिए एक ही दिन निर्धारित किया जाना चाहिए जिसके तहत यह साफ निर्देश हो कि इसी दिन सभी वीवीआईपी आएंगे और किसी अन्य व्यक्ति को इस दिन आने की इजाजत नहीं होगी।

राजस्व मंत्री गौड़ा ने की यूपी सरकार की आलोचना

कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने भगदड़ में हताहतों के बारे में जानकारी छिपाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की।बेलगावी में रहने वाले परिवार के सदस्य सुबह से ही उनसे संपर्क नहीं कर पा रहे थे। हालांकि उनका फोन बज रहा था, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, जिससे रिश्तेदारों में चिंता फैल गई। ज्योति के पति दीपक हतरवाथ ने बताया कि तीर्थयात्रियों के समूह में शामिल चिदंबर पाटिल नाम के एक व्यक्ति ने उन्हें बताया कि भगदड़ में उनकी पत्नी और बेटी की मौत हो गई।

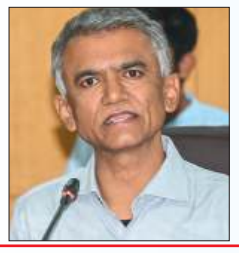

बंगाल में गंगा सागर में ममता करती हैं बेहतर इंतजाम

फडणवीस के दिल्ली दौरे पर उठाये सवाल

इसके अलावा, संजय राउत ने देवेंद्र फडणवीस के दिल्ली दौरे को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें दिली जाने की जरूरत क्या है। सभी जानते हैं कि इन लोगों ने महाराष्ट्र में कैसे जीत हासिल की। अगर यही फार्मूला ये लोग दिल्ली में भी अपनाएंगे, तो निश्चित तौर पर इन्हें जीत मिल ही जाएगी।

आम श्रद्धालुओं को भी मिलनी चाहिए वीवीआईपी व्यवस्था : आदित्य ठाकरे

प्रयागराज के महाकुंभ में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना को लेकर आदित्य ठाकरे ने कहा, महाकुंभ में जो घटना हुई वह बहुत दुखद है। भगदड़ में जिन भी श्रद्धालुओं मौत हुई है, उन्हें हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। जो घायल है वह जल्द ठीक हो जाए ऐसी हम कामना करते हैं, लेकिन यह घटना व्यवस्था पर सवाल खड़ा करती है, जितना खर्चा सरकार ने विज्ञापन और वीवीआईपी पर किया। जैसी सुविधाएं वीवीआईपी को दी जाती हैं वैसी सुविधाएं आम श्रद्धालुओं को भी मिलनी चाहिए। वहीं अगर मंदिर या किसी अन्य धार्मिक स्थल के लिए सभ्य ड्रेस कोड है तो ठीक है। दुनिया भर में कहीं भी आप जाइए, वहां धार्मिकस्थल के लिए ड्रेस कोड होता है। आदित्य ठाकरे ने मुंबई में बढ़ रहे प्रदूषण पर सवाल उठाते हुए कहा, मुंबई का एक्यूआई बहुत ही खराब होता जा रहा है. सरकार की तरफ से कोई कार्यवाही नहीं हो रही है, न कोई जवाब आ रहा है, न कोई बात सुनने के लिए सामने आ रहा है. एनवायरमेंट डिपार्टमेंट क्या कर रहा कुछ पता नहीं है. मुख्यमंत्री की तरफ से कोई जवाब नहीं आया. मुंबई का एक्यूआई क्यों खराब हो रहा है कोई पूछने को तैयार नहीं।

महाकुंभ हादसे के लिए योगी सरकार जिम्मेदार : सौगत राय

कोलकाता। मौनी अमावस्या के दिन बुधवार तड़के उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में मची भगदड़ को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय ने व्यवस्था में कमी का आरोप लगाते हुए घटना की निंदा की है। तृणमूल सांसद सौगत रॉय ने महाकुंभ हादसे पर दुख जाहिर करते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार पहले कह रही थी कि उन्होंने साश इंतजाम किया है। आज मौनी अमावस्या है इस दिन तो वैसे ही ज्यादा भीड़ होती है। उत्तर प्रदेश सरकार को इस आयोजन की बेहतरीन व्यवस्था करनी चाहिए थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। मैं इसकी निंदा करता हूं।तृणमूल नेता कुणाल घोष ने महाकुंभ हादसे पर उत्तर प्रदेश सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, कि महाकुंभ में शासन की व्यवस्था पूरी तरह से फेल रही। पश्चिम बंगाल में गंगा सागर में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जो इंतजाम करती हैं, प्रयागराज में वैसा कुछ नहीं किया गया। उन्होंने बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं तैयार किया था। भाजपा सरकार को घेरते हुए उन्होंने आरोप लगाया, कुंभ में जो कुछ भी हुआ, उसको रोकने के लिए कोई योजना, कोई मॉनिटरिंग, कोई इंफ्रास्ट्रक्चर और कोइ क्राइसिस मैनेजमेंट नहीं थी।

राष्ट्रीय खेलों में कर्नाटक का रहा दबदबा

» पहले दिन 14 वर्षीय देसिंघु ने तरणताल में मचाई धूम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाली भारत की सबसे युवा खिलाड़ी चौदह वर्षीय धीनिधि देसिंघु ने बुधवार को यहां राष्ट्रीय खेलों की तैराकी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीतकर सुर्खियां बटोरीं जबकि कर्नाटक पांच स्वर्ण पदक जीतकर पहले दिन पदक तालिका में शीर्ष पर रहा। कर्नाटक ने पहले दिन सात पदक (पांच स्वर्ण, दो रजत) जीते जबकि मणिपुर (चार स्वर्ण, चार रजत) दूसरे और महाराष्ट्र (दो स्वर्ण, तीन रजत, तीन कांस्य) तीसरे स्थान पर है।

पहला दिन निश्चित रूप से कर्नाटक की देसिंघु के नाम रहा जिन्होंने महिलाओं की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में दो मिनट और 3.24 सेकंड के खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। कर्नाटक की इस तैराक ने इसके अलावा महिलाओं की 100 मीटर बटरफ्लाई और 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल में भी स्वर्ण पदक जीते। पेरिस ओलंपियन श्रीहरि नटराज ने हल्द्वानी के गोलापार में मानसखंड तरणताल में तैराकी प्रतियोगिताओं के शुरुआती दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल और पुरुषों की 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक जीते। महिलाओं की 200 मीटर फ्रीस्टाइल में दिल्ली की भव्या सचदेवा (2:08:68) और महाराष्ट्र की अदिति सतीश हेगड़े (2:09:74) क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। महिलाओं की 100 मीटर बटरफ्लाई में देसिंघु ने 1:03:62 का समय निकाला और दिन में दूसरी बार पोडियम के शीर्ष पर पहुंची। कर्नाटक की ही नायशा शेट्टी (1:04:81) ने रजत जबकि ओडिशा की सृष्टि उपाध्याय (1:05:20) ने कांस्य पदक जीता। देसिंघु ने इसके बाद नीना वेंकटेश, शालिनी आर दीक्षित और लतीशा मंधाना के साथ मिलकर 4:01:58 के समय के साथ कर्नाटक को महिलाओं की 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक दिलाया।

स्मिथ टेस्ट में 10,000 रन पूरे करने वाले बने चौथे ऑस्ट्रेलियाई

गाल। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज और स्टैंड इन कप्तान स्टीव स्मिथ ने श्रीलंका के खिलाफ गाल में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दौरान टेस्ट क्रिकेट में 10000 रन पूरे कर लिए हैं। वह टेस्ट में 10000 रन पूरे करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। स्मिथ दूसरे ऐसे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैं जिन्होंने सबसे तेजी से यह उपलब्धि हासिल की है। 35 वर्षीय स्मिथ टेस्ट में 10000 रन पूरे करने के मामले में सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं। स्मिथ टेस्ट इतिहास में 10000 रन पूरे करने वाले दुनिया के 15वें बल्लेबाज हैं। उनसे पहले एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ और पोंटिंग ऑस्ट्रेलिया के ऐसे बल्लेबाज हैं जो इस उपलब्धि पर पहुंचे हैं। स्मिथ ने यह मुकाम 115 टेस्ट और 205 पारियों में हासिल किया है। ब्रायन लारा, सचिन और कुमार संगकारा ने 195 पारियों में टेस्ट में 10000 रन पूरे किए थे।

'महाराष्ट्र की हिंसा पर सरकार गंभीर नहीं'

» एनसीपी (एसपी) सांसद सुले ने फडणवीस सरकार पर लगाये गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शरद पावार वाली एनसीपी की सांसद सुप्रिया सुले ने बीड और परभणी हिंसा समेत राज्य के तमाम मुद्दों को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार इन हिसांओं को लेकर गंभीर नहीं दिखायी दे रही है। सुले ने प्रयागराज के कुंभ मेले में हुई भगदड़ पर भी दुख जताया। सुप्रिया सुले ने बीड सरपंच हत्या पर कहा, 50 दिन से ज्यादा का समय हो गया है। संतोष देशमुख हत्याकांड में वांछित आरोपी अभी भी फरार है। जिन्होंने मर्डर किया है, वे मिल नहीं रहे हैं। सरकार बीड और परभणी हिंसा को लेकर गंभीर नहीं है।

उन्होंने राजकोषीय घाटा को लेकर आई रिपोर्ट पर कहा, जिन मुद्दों को लेकर मैं पिछले 2 सालों से बात कर रही थी, आज नीति आयोग ने उसकी पुष्टि कर दी है। महाराष्ट्र लगातार इजी ऑफ डूइंग बिजनेस में नीचे जा रहा है। कर्ज बढ़ रहा है, ऐसा क्यों हो रहा है, सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए। शरद पावार वाली एनसीपी की सांसद सुप्रिया सुले ने बीड और परभणी हिंसा समेत राज्य के तमाम मुद्दों को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने बयान जारी करते हुए कहा है कि सरकार इन हिसांओं को लेकर गंभीर नहीं दिखायी दे रही है। सुले ने प्रयागराज के कुंभ मेले में हुई भगदड़ पर भी दुख जताया। सुप्रिया सुले ने बीड सरपंच हत्या पर कहा, 50 दिन से ज्यादा का समय हो गया है। संतोष देशमुख हत्याकांड में वांछित आरोपी अभी भी फरार है। जिन्होंने मर्डर किया है, वे मिल नहीं रहे हैं। सरकार बीड और परभणी हिंसा को लेकर गंभीर नहीं है। उन्होंने राजकोषीय घाटा को लेकर आई रिपोर्ट पर कहा,जिन मुद्दों को लेकर मैं पिछले 2 सालों से बात कर रही थी, आज नीति आयोग ने उसकी पुष्टि कर दी है।

ड्रेस कोड के फैसले से चिंतित

सिद्धिविनायक मंदिर में ड्रेस कोड लागू किए जाने के सवाल पर कहा, हमारा देश बहुत संस्कारी लोगों का है। हम सभी लोग आदर के साथ मंदिर जाते हैं, लेकिन मैं मंदिर प्रशासन के फैसले से आश्चर्यचकित हूं। सुले ने प्रयागराज में हुई भगदड़ पर दुख जताते हुए कहा, आज की घटना चिंताजनक है। भाजपा की नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री निरंजन ज्योति ने भी इस बात की पुष्टि की है कि महाकुंभ मेले की सेना को जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए। यह बहुत ही चिंताजनक स्थिति है।

देश की एकता और अखंडता अतुलनीय : शकील अहमद

» एनआईओएस में आयोजित हुई नराकास की 48वीं बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 48वीं बैठक का एनआईओएस के दिल्ली क्षेत्रीय केंद्र के कल्याण सिंह सभागार में आयोजन किया गया। बैठक में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के नोएडा के सभी कार्यालयों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर दसवीं और बारहवीं कक्षा के हिंदी विषय में सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया।

एनआईओएस ने मुख्यालय के साथ-साथ अपने सभी क्षेत्रीय केन्द्रों में भी हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया है। एनआईओएस के सचिव कर्नल शकील अहमद ने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है और इसका महत्व हमारे देश की एकता और अखंडता में अतुलनीय है।

इतने बड़े हादसे के बाद भी नहीं चेता कुंभमेला प्रशासन!

श्रद्धालु जगह-जगह रास्तों को ढूंढने में परेशान दिखे

परिजनों को नहीं मिल रहे अपने लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हादसे बाद गुरुवार को भी महाकुंभ प्रशासन व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने में कोताही दिखाइ दी। कुंभ क्षेत्र में श्रद्धालु जगह-जगह रास्तों को ढूंढने में परेशान दिखे। सबसे ज्यादा तो दुर्दशा उन परिजनों की हुई जो जिन्होंने अपनो को मौनी अमावस्या के दिन दर्दनाक हादसे में खो दिया था। उधर मौनी अमावस्या में भगदड़ में मारे लोगों की संख्या अब सामने आने लगी है। योगी सरकार व महाकुंभ मेला प्रशासन ने 30 लोगों के मरने की बात की जबकि वहां से लौटे प्रत्यक्षदर्शियों ने मरने वालों की संख्या 100 से ज्यादा बताई है। इन सबके बीच कई तरह की बातें चारों ओर हो रही। विपक्ष तो भाजपा सरकार पर आरोप लगा रहा है कि मौत के आंकड़े सरकार द्वारा छुपाए जा रहे हैं।

उधर सोशल मीडिया पर सरकार द्वारा मौतों के आकड़े बताने में समय लगने पर भी सवाल उठने लगा है। लोग कह रहे जब सरकार दावा कर रही है कि कुंभ में एक मिनट में हर सेवा उपलब्ध हो जाएगी ऐसे में मौतों के आंकड़े बताने में 17 घंटे क्यों लग गए। वहीं महाकुंभ भगदड़ पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी पहुंच गई है। महाकुंभ में दूसरे शाही स्नान के पहले मची भगदड़ में 30 लोगों के मारे जाने के बाद मैला क्षेत्र की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं। भगदड़ में वे लोग जिनके अपने बिछड़ गए थे। उन्होंने तमाम हेल्पलाइन नंबर से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। कई लोग खुद ही अस्पतालों के चक्कर लगाने लगे। कई मॉर्च्युरी पहुंच गए। लेकिन यहां भी कोई फायदा नहीं हुआ। इसके बाद जिसने जो देखा वो बयान करने लगा। इसी में मौतों की संख्या भी आने लगी। कोई कह रहा कि मैंने 50 लाशें देखीं, कोई कह रहा 17, कोई 100 से ज्यादा घायल बता रहा था। सोशल मीडिया पर तरह-तरह के आंकड़े, विजुअल शेयर होने लगे। लेकिन सच किसी को नहीं पता था। पता भी कैसे चले, प्रशासन में सब अनभिज्ञता ही जताते रहे।

फोटो: सुमित कुमार

17 घंटे क्यों लगे मौत और घायलों का आंकड़ा देने में

भगदड़ के बाद लोग जानना चाहते थे कि भगदड़ में कितने लोग घायल हैं, कितनों की मौत हो गई है? लेकिन किसी को कोई जवाब नहीं मिल रहा था। पूरा प्रशासनिक अमला चुप्पी साधे रहा। प्रयागराज से लखनऊ तक कोई ये कन्फर्म नहीं कर पा रहा था कि घायल कितने हैं, कितने लोगों की जान चली गई है। आखिरकार हादसे के करीब 17 घंटे बाद बुधवार देर शाम को मेला अधिकारी विजय किरण आनंद और डीआईजी वैभव कृष्ण ने बताया कि लगभग 90 घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया गया, इनमें से 30 श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई है। अब सवाल ये है कि वो कुंभ मेला क्षेत्र जहां प्रशासन संगम में डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार अपडेट दे रहा है। वहां इतने बड़े हादसे में मौत और घायलों का आंकड़ा देने में 17 घंटे क्यों लग गए?

महाकुंभ में फिर लगी आग कई पंडाल चपेट में आए

महाकुंभ के सेक्टर 22 छतनाग झूंसी में बने टेंट सिटी में बृहस्पतिवार को आग लग गई। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। जब तक लोग कुछ समझ पाते आगे ने विकराल रूप धारण कर लिया। टेंट सिटी के दर्जन भर से अधिक टेंट जलकर राख हो गए। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी की जान नहीं गई। सूचना पाकर दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। काफी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

महाकुंभ में भगदड़ का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल हुई है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि वह यूपी सरकार से इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट मांगे और जिम्मेदार अधिकारियों पर कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश भी दें। महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर दूसरे शाही स्नान से ठीक पहले भगदड़ मची थी, इसमें 30 लोग मारे गए थे. कई रिपोर्ट्स में मरने वालों की संख्या 40 से ज्यादा भी बतायी जा रही है. इस हादसे के बाद प्रशासन की भीड़ प्रबंधन व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए हैं, इसके साथ ही बुनियादी सुविधाओं के अभाव की भी बातें सामने आ रही हैं।एडवोकेट विशाल तिवारी ने इस याचिका में सुप्रीम कोर्ट से सभी राज्यों को प्रयागराज में अपने सुविधा केंद्र बनाने और उन पर तीर्थयात्रियों को सुरक्षा उपायों और दिशा-निर्देशों के बारे में बुनियादी जानकारी देने के निर्देश देने की मांग की है। याचिका में महाकुंभ में अन्य भाषाओं में घोषणाएं, दिशा दिखाने वाले डिस्प्ले बोर्ड, सड़कें आदि की व्यवस्था करने की भी मांग की गई है, ताकि दूसरे राज्यों के लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े और उन्हें आसानी से मदद मिल सके। याचिका में यह भी लिखा गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार के समन्वय से सभी राज्य सरकारों को प्रयागराज महाकुंभ में डॉक्टरों और नर्सों वाली अपनी छोटी मेडिकल टीम भी तैनात करनी चाहिए ताकि मेडिकल इमरजेंसी के समय मेडिकल स्टाफ की कमी न हो।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।